DT दीनार टाइम्स कानपुर न्यूज www.dinartimes.in 19
कानपुर, रविवार, 3 अक्टूबर 2021

ढींगरी, बटन, मिल्की मशरूम का प्रशिक्षण दिया जाएगा

▸ प्रशिक्षण लेने वाले को रुपए 750 रजिस्ट्रेशन फीस जमा करनी होगी

ब्यूरो

कानपुर। सीएसए में 4 अक्टूबर से छह दिवसीय मशरूम प्रशिक्षण होगा प्रारंभ चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के मशरूम शोध एवं विकास केंद्र पर 4 से 9 अक्टूबर तक छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ हो रहा है। यह जानकारी मशरूम शोध केंद्र के प्रभारी डॉ एस के विश्वास ने दी। डॉ विश्वास ने बताया कि इस 6 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश एवं प्रदेश के प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए 750 पंजीकरण शुल्क है। साथ ही एक आईडी प्रूफ एवं एक पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ लाना आवश्यक है। डॉ विश्वास ने बताया कि इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश बेरोजगार युवकों को स्वरोजगार प्राप्त करना है जिससे वह स्वावलंबी होकर उद्यमी बने। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में मशरूम बीज बनाना, ढींगरी, बटन एवं मिल्की मशरूम उत्पादन तकनीक पर प्रयोगात्मक एवं लिखित कक्षाएं होंगी। इसके अतिरिक्त मशरूम को मूल्य संवर्धन बनाना एवं महत्व के बारे में विस्तार से प्रशिक्षणार्थियों को जानकारी दी जाएगी निदेशक प्रसार/ समन्वयक डॉ एके सिंह ने बताया कि दूरदराज से आने वाले प्रशिक्षणार्थी विश्वविद्यालय के अतिथि गृह में स्वयं के खर्चे पर रह सकेंगे। तथा सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र भी दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्र के अनुभवी वैज्ञानिकों द्वारा भी प्रशिक्षण दिलाया जाएगा। जिससे ग्रामीण नवयुवक एवं कृषक महिलाएं स्वावलंबी बनकर स्वरोजगार प्राप्त कर सकें।

आज महानगर

महानगर

सीएसए में आज से छह दिवसीय मशरूम प्रशिक्षण होगा प्रारंभ

डॉ एस के विश्वास

प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को दिये जाएंगे प्रमाण पत्र

कानपुर, 3 अक्टूबर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की ओर से मशरूम शोध एवं विकास केंद्र पर 4 अक्टूबर 2021 से 9 अक्टूबर 2021 तक छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ हो रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में मशरूम बीज बनाना, ढींगरी, बटन एवं मिल्की मशरूम उत्पादन तकनीक पर प्रयोगात्मक एवं लिखित कक्षाएं होंगी, ताकि प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद अभ्यर्थी अपना स्वरोजगार स्थापित कर सके। मशरूम शोध केंद्र के प्रभारी डॉ एस के विश्वास ने बताया कि इस 6 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश एवं प्रदेश के प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए 750 पंजीकरण शुल्क है। साथ ही एक आईडी प्रूफ एवं एक पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ लाना आवश्यक है। डॉ विश्वास ने बताया कि इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश बेरोजगार युवकों को स्वरोजगार प्राप्त करना है जिससे वह स्वावलंबी होकर उद्यमी बने। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में मशरूम बीज बनाना, ढींगरी, बटन एवं मिल्की मशरूम उत्पादन तकनीक पर प्रयोगात्मक एवं लिखित कक्षाएं होंगी। इसके अतिरिक्त मशरूम को मूल्य संवर्धन बनाना एवं महत्व के बारे में विस्तार से प्रशिक्षणार्थियों को जानकारी दी जाएगी। निदेशक प्रसार/ समन्वयक डॉ एके सिंह ने बताया कि दूरदराज से आने वाले प्रशिक्षणार्थी विश्वविद्यालय के अतिथि गृह में स्वयं के खर्चे पर रह सकेंगे तथा सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र भी दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्र के अनुभवी वैज्ञानिकों द्वारा भी प्रशिक्षण दिलाया जाएगा, जिससे ग्रामीण नवयुवक एवं कृषक महिलाएं स्वावलंबी बनकर स्वरोजगार प्राप्त कर सकें।

दैनिक सत्ता एक्सप्रेस

04/10/2021

सीएसए में आज से छह दिवसीय मशरूम प्रशिक्षण प्रारंभ

दैनिक सत्ता एक्सप्रेस कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के मशरूम शोध एवं विकास केंद्र पर 4 अक्टूबर 2021 से 9 अक्टूबर 2021 तक छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ हो रहा है। यह जानकारी मशरूम शोध केंद्र के प्रभारी डॉ एस के विश्वास ने दी है। इस 6 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश एवं प्रदेश के प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए ₹750 पंजीकरण शुल्क है। साथ ही एक आईडी प्रूफ एवं एक पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ लाना आवश्यक है। डॉ विश्वास ने बताया कि इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश बेरोजगार युवकों को स्वरोजगार प्राप्त करना है जिससे वह स्वावलंबी होकर उद्यमी बने। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में मशरूम बीज बनाना, ढींगरी, बटन एवं मिल्की मशरूम उत्पादन तकनीक पर प्रयोगात्मक एवं लिखित कक्षाएं होंगी। इसके अतिरिक्त मशरूम को मूल्य संवर्धन बनाना एवं महत्व के बारे में विस्तार से प्रशिक्षणार्थियों को जानकारी दी जाएगी।निदेशक प्रसार/ समन्वयक डॉ एके सिंह ने बताया कि दूरदराज से आने वाले प्रशिक्षणार्थी विश्वविद्यालय के अतिथि गृह में स्वयं के खर्चे पर रह सकेंगे। तथा सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र भी दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्र के अनुभवी वैज्ञानिकों द्वारा भी प्रशिक्षण दिलाया जाएगा। जिससे ग्रामीण नवयुवक एवं कृषक महिलाएं स्वावलंबी बनकर स्वरोजगार प्राप्त कर सकें।

राष्ट्रीय सहारा

कानपुर • सोमवार • 4 अक्टूबर • 2021

कृषि विवि में आज से छह दिवसीय मशरूम प्रशिक्षण

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

कानपुर।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के मशरूम शोध एवं विकास केंद्र पर 4 से 9 अक्टूबर 2021 तक छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ हो रहा है।

यह जानकारी मशरूम शोध केंद्र के प्रभारी डॉ. एसके विश्वास ने दी।

उन्होंने वताया कि इस 6 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश एवं प्रदेश के प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। उन्होंने वताया कि इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य वेरोजगार युवकों को स्वरोजगार प्राप्त करने लायक वनाना है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मशरूम वीज वनाना, ढींगरी, वटन एवं मिल्की मशरूम उत्पादन तकनीक पर प्रयोगात्मक एवं लिखित कक्षाएं होंगी। इसके अतिरिक्त मशरूम को मूल्य संवर्धन वनाना एवं महत्व के वारे में विस्तार से प्रशिक्षणार्थियों को जानकारी दी जाएगी।

निदेशक प्रसार समन्वयक डॉ.एके सिंह ने वताया कि दूरदराज से आने वाले प्रशिक्षणार्थी विश्वविद्यालय के अतिथि गृह में स्वयं के खर्चे पर रह सकेंगे।

सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र भी दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्र के अनुभवी वैज्ञानिकों द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा जिससे ग्रामीण नवयुवक एवं कृषक महिलाएं स्वावलंवी वनकर स्वरोजगार प्राप्त कर सकें।